

**किसान** पुं. (तद्.) खेतिहर, कृषक, काश्तकार।

**किसानी स्त्री.** (तद्.) कृषिकर्म, किसान का काम, खेती।

**किस्म स्त्री.** (अर.) 1. प्रकार, भाँति, तरह 2. जाति जैसे- यह किस किस्म का आम है, यह पद किस किस्म के लोगों के लिए आरक्षित है।

**कीकना अ.क्रि.** (देश.) की-की करके चिल्लाना, हर्ष, क्रोध या भयसूचक शब्द करना, चीत्कार करना।

**कीकर वि.** (तद्.) बबूल का पेड़।

**कीकरी स्त्री.** (देश.) एक प्रकार का कीकर या बबूल जिसकी पत्तियाँ बहुत महीन होती हैं।

**कीच पुं.** (देश.) कीचड़, कर्दम।

**कीचक वि.** (तद्.) 1. बाँस 2. पोला बाँस 3. राजा विराट का साला और उसकी सेना का प्रमुख।

**कीचकजित् पुं.** (तद्.) भीम, क्योंकि अज्ञातवास के समय कीचक के द्रोपदी के साथ छेड़-छाड़ करने पर उसकी हत्या भीम ने की थी।

**कीचड़ पुं.** (देश.) 1. गौली मिट्टी, कर्दम पंक मुहा. कीचड़ में फँसना- असमंजस में पड़ना, संकट में पड़ना; 2. आँख का सफेद मल जो आँख के कोने पर आ जाता है **लाक्षार्थ** विपत्ति, निंदा, मुहा. कीचड़ उछालना- किसी पर दोष मढ़ना।

**कीट वि.** (तद्.) 1. रेंगने या उड़नेवाला क्षुद्र जंतु, कीड़ा, मकोड़ा।

**कीटक वि.** (तद्.) 1. कीड़ा 2. एक मागध जाति का बंदीजन।

**कीटघ्न वि.** (तद्.) गंधक।

**कीटज पुं.** (तद्.) रेशम **वि.** कीड़ों से निकला गोंद या लाख, चपड़ा।

**कीटभृंग वि.** (तद्.) एक न्याय जिसका प्रयोग उस समय होता है जब दो या कई वस्तुएँ बिल्कुल एक रूप हो जाती हैं।

**कीटमणि स्त्री.** (तद्.) जुगनू, खद्योत।

**कीटाणु पुं.** (तद्.) अत्यंत छोटा कीड़ा। सूक्ष्म कीट जो सूक्ष्मवीक्षण यंत्र से दिखाई पड़े या उससे भी न दिखाई पड़े।

**कीड़ा पुं.** (तद्.कीट) 1. कीट, छोटा उड़ने या रेंगनेवाला जंतु, मकोड़ा जैसे- कनखजूरा, बिच्छू, भिड़ आदि 2. कृमि, सूक्ष्म कीट **मुहा.** कीड़े काटना- चुनचुनाहट आदि, बेचैनी होना; कीड़े पड़ना- किसी वस्तु में कीड़े उत्पन्न होना जैसे- घाव में कीड़े पड़ना, बुरा फल मिलना; कीड़े लगना- बाहर से आकर कीड़ों का किसी वस्तु को नष्ट करने के लिए घर करना 3. साँप 3. जूँ, खटमल आदि।

**कीड़ाफतिंगा पुं.** (देश.) 1. कीट 2. परदार (पंखदार) कीड़ा पतंगा।

**कीड़ामकोड़ा वि.** (देश.) छोटा कीड़ा, चींटा।

**कीड़ी स्त्री.** (तद्.) 1. छोटा कीड़ा 2. चींटी।

**कीदृश वि.** (तद्.) कैसा (रूप या स्वभाव में)।

**कीना पुं.** (फा.) 1. बैर, द्वेष 2. हँठी।

**कीनाकश वि.** (फा.) दोष रखनेवाला।

**कीनापरवर वि.** (फा.) कीना रखनेवाला।

**कीनावर वि.** (फा.) मन में द्वेष रखनेवाला।

**कीनाश वि.** (तद्.) 1. गरीब 2. खेती करने वाला 3. थोड़ा 4. क्षुद्र 5. अकिंचन, तुच्छ पुं. 1. किसान 2. यम 3. एक प्रकार का बंदर।

**कीनिया वि.** (फा.) 1. कपट रखनेवाला 2. छलिया, कीना या हेठी रखनेवाला।

**कीप स्त्री.** (अर.) वह चोंगी जिसे तंग मुँह के बरतन में लगाकर तेल, अर्क आदि द्रव पदार्थ डालते हैं, कुप्पी, छुच्छी।

**कीमत पुं.** (अर.) वह धन जो किसी चीज के बिकने पर उसके बदले में मिलता है, दाम, मूल्य **मुहा.** कीमत चढ़ना या बढ़ना- चीज का महँगा होना, महत्व होना; कीमत उतरना- चीज का सुलभ होना, महत्व घटना; कीमत ठहरना- मूल्य निश्चित होना; कीमत ठहराना- मूल्य निश्चित